

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बीदासर-चूरु

(पीठासीन अधिकारी -अमीलाल यादव आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र संख्या:- 77 /2024

जीसीएमएस सं०.....20.24/134

- 1 गौरधन शर्मा पुत्र चान्दमल जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम डूंगरास आथुणा तहसील बीदासर जिला चूरु राज. आधार न. 8482 5908 9905 मोबाइल न. 8302420835

..... प्रार्थी

बनाम

- 1 श्रीमती शेरा पत्नि मालूराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 2 जेठाराम पुत्र मालूराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 3 सोहनराम पुत्र मालूराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 4 बिरमा देवी पत्नि डूंगरराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 5 जैसाराम पुत्र डूंगरराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 6 रामनिवास पुत्र डूंगरराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 7 चन्दा पुत्री डूंगरराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 8 सुमन पुत्री डूंगरराम जाति जाट निवासी डूंगरास आथूनां तहसील बीदासर जिला चूरु
- 9 शाखा प्रबन्धक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया शाखा सुजानगढ़ जिला चूरु
- 10 शाखा प्रबन्धक बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक शाखा गोपालपुरा तह. सुजानगढ़ चूरु

.....अप्रार्थीगण

उपस्थित

प्रार्थी अधि०:-श्री मोहम्मद शाहिद

अप्रार्थी अधिवक्ता- रघुवीर भामू

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

:- निर्णय :-

दिनांक 11-8-2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा नम्बर 591/270 रकबा 1.3927 हैक्टेयर वाके रोही ग्राम डूंगरास आथूणा तहसील बीदासर में पहुँच के प्रयोजन हेतु खसरा संख्या रास्ता ग्रेवल कटाणी मार्ग तक पहुँच हेतु खसरा नम्बर 268 रकबा 0.5312 हैक्टेयर में से दक्षिणी सीव के चिपता चिपता (पूर्वी सीव से पश्चिमी सीव तक) मार्ग के लिए आवेदन किया है प्रार्थी के अन्य कोई वैकल्पिक मार्ग मौजूद नहीं है खसरा नम्बर 268 रकबा 0.5312 हैक्टेयर में से आथुणी तरफ के कटाणी मार्ग ग्रेवल सड़क तक रास्ता के रूप में रिकॉर्ड में अभिलिखित किया जाने का प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।
2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 02 ता 04 व अप्रार्थी संख्या 06 ता 08 की और से पेशी दिनांक 08.01.2025 को श्री रघुवीर भामू ने वकालतनामा पेश किया। दिनांक 27.02.2025 को नकल प्रार्थना पत्र प्राप्त की। अप्रार्थी स. 1, 5, 9, 10 की विधिवत तामील के बावजूद हाजिर अदालत नहीं आने पर दिनांक 26.06.2025 को एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। अप्रार्थीगण द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर अप्रार्थीगण का जवाब बन्द किया गया। तहसीलदार बीदासर से मौका रिपोर्ट



उपखण्ड अधिकारी,
बीदासर

प्रस्तुत जो शामिल पत्रावली की गई। अप्रार्थी संख्या 02 व अप्रार्थी स. 03 का हिस्सा अप्रार्थी संख्या 09 बैंक वित्तीय संस्था बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक शाखा गोपालपुरा के रहन है।

3. प्रकरण में तहसीलदार बीदासर से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जॉच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार बीदासर द्वारा रिपोर्ट मय फर्द मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की जो कि शामिल मिसल की गई।
4. प्रकरण में बहस उभय पक्षकारान सुनी गई। विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने दौरान बहस प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया।
5. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ अप्रार्थी तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है :-

धारा 251-क- अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना या नया मार्ग खोलना या विद्यमान मार्ग का विस्तार करना-(1) जहाँ

(क) कोई अभिधारी, अपनी जोत की सिंचाई के प्रयोजन के लिए किसी अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना चाहता है या

(ख) कोई अभिधारी या अभिधारियों का कोई समूह अपनी जोत या, यथास्थिति, उनकी जोतों तक पहुंचने के लिए अन्य खातेदार की जोत में से एक नया मार्ग बनाना चाहता है, या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित या चौड़ा करना चाहता है-

और मामला पारस्परिक सहमति से तय नहीं होता है तो ऐसा अभिधारी या, यथास्थिति, ऐसा अभिधारी ऐसी सुविधा के लिए सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी को आवेदन कर सके, और उपखण्ड अधिकारी, यदि सक्षिप्त जॉच के पश्चात उसका समाधान हो जाता है कि-

(1) यह आवश्यकता आत्यंतिक आवश्यकता है और यह जोत के केवल सुविधाजनक उपभोग के लिए नहीं है, और

(2) अन्य खातेदार की जोत में से होकर, विशिष्ट नये मार्ग के मामले में, पहुंचने के वैकल्पिक साधन का अभाव सिद्ध किया गया है-

तो आदेश द्वारा, आवेदक को, अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता, द्वारा सीमांकित या दर्शित लाईन के साथ-साथ भूमि की सतह से कम से कम 3 फिट नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए या ऐसे ट्रैक पर, जो उस अभिधारी द्वारा जो उस भूमि को धारित करता है, दर्शाया जाये, भूमि में से होकर, और यदि ऐसे ट्रैक दर्शित नहीं किया जाये तो लघुतम या निकटतम रूट से एक नया मार्ग जो 30 फिट से अनाधिक तक विस्तारित या चौड़ा करने के लिए, उस अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता है, जिसमें से होकर पाईप लाईन बिछाने या एक नया मार्ग बनाने या विद्यमार्ग को चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये, ऐसे प्रतिकर के संदाय पर जो विहित रीति से उपखण्ड अधिकारी द्वारा अवधारित किया जाये, अनुज्ञात कर सकेगा।

(1) जहाँ-उपधारा (1) के अधीन नया मार्ग बनाने या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये वहां ऐसे मार्ग को समाविष्ट करने वाली उस भूमि के संबंध में अभिधृति निर्वापित की हुई समझी जायेगी और वह भूमि राजस्व अभिलेखों में "रास्ता" के रूप में अभिलिखित की जायेगी।



उपखण्ड अधिकारी
बीदासर

(2) वे व्यक्ति, जिनको उपधारा (1) में निर्दिष्ट सुविधाओं में से किसी भी सुविधा के उपयोग के लिए अनुज्ञात किया गया है, उक्त सुविधा के आधार पर उस जोत में, जिसमें से होकर ऐसी सुविधा मंजूर की जाये, कोई भी अन्य अधिकार अर्जित नहीं करेंगे।

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

69. Enquiry and disposal of application. - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and



गोरधन शर्मा
उपखण्ड अधिकारी
जीरापुर

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफ्त हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकार्ड्ड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है -

1. खातेदार की रास्ते बाबत अन्य रिकार्ड्ड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

7. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-1 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार बीदासर की शामिल मिसल रिपोर्ट से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है प्रार्थी की आराजी तक पहुँचने हेतु रिकार्ड्ड में दर्ज पहुँच रास्ता उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। अतः प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकार्ड्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है।

8. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। मुताबिक रिपोर्ट प्रार्थी द्वारा आवेदित मार्ग के अतिरिक्त मौके पर कोई लघुत्तम मार्ग उपलब्ध नहीं है। उक्त आवेदित मार्ग राजस्व रिकार्ड्ड में दर्ज करने के सम्बन्ध में अप्रार्थीगण ने कोई आपत्ति जाहिर नहीं की। इस प्रकार प्रार्थी द्वारा आवेदित मार्ग ही लघुत्तम मार्ग प्रतीत होता है।

9. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थी हेतु रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्ड्ड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार बीदासर के द्वारा प्रेषित की गई मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र प्रार्थी की आराजी तक रिकार्ड्ड में दर्ज रास्ता से पहुँच नहीं होने तथा आवेदित रास्ता लघुत्तम मार्ग होने के आधार पर राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा-251-क काबिल-ए स्वीकार है। अतः तहसीलदार बीदासर की मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार प्रस्ताव गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान पश्चात् राजस्व रिकार्ड्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः



उपखण्ड अधिकारी
बीदासर

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार बीदासर को आदेश दिये जाते हैं कि तहसीलदार बीदासर की दिनांक 18.06.2025 की मौका जॉच रिपोर्ट में इंगित मार्क ए से बी दर्शित रास्ता 16.50 फुट चौड़ा व 182 फिट लम्बाई का 0330 वर्गफुट (0.0278 हैक्टेयर) खसरा नम्बर 268 की दक्षिणी सीव के चिपता चिपता आवेदित खसरा नम्बर 591/270 तक नियमानुसार रास्ता के रूप में खाता संख्या 01 सिवायचक सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गैर मुमकिन रास्ता दर्ज किया जावें। मौका जॉच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। खसरा नम्बर 268 रकबा 0.5312 हैक्टेयर में से रास्ता के रूप में कम होने वाली भूमि का राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित रूपये 6394/- नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि अप्रार्थी स. 1 ता 8 में वितरित करे।

निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार बीदासर को भिजवायी जावें।

यह आदेश आज दिनांक 11-8-25 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर जारी किया गया।



(अमीलाल यादव आर.ए.एस.)

उपखण्ड अधिकारी कारी
बीदासर नीचूर

सत्यमेव जयते